RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2021-23

# पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 12 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 28 अगस्त 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

### बागेश्वर उपचुनाव का घमासान

# पार्वती और बसन्त को आगे कर भाजपा-कांग्रेस आक्रामक

कार्यालय प्रतिनिधि

बागेश्वर विधानसभा सीट के उपचुनाव में कैबिनेट मंत्री रहे स्व. चन्दनराम की पत्नी पार्वती दास और आम आदमी पार्टी से पिछली बार दमदार चुनाव लड़े बसन्त कुमार को भाजपा और कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार बनाकर बरसना शुरु कर दिया है। बड़े-छोटे नेताओं की फौज एकदम आक्रामक मूड में दिखाई दे रही है। पार्वती और बसन्त के नामांकन से लेकर प्रचार तक पार्टी एकता का दम दम दिखाया गया है क्योंकि यह दोनों बड़ी पार्टियां इस उपचुनाव से अपनी भविष्य की रणनीति भी तय करने जा रहे हैं। सत्ता सुख में भाजपा के पास प्रचारकों की लम्बी लाइन है लेकिन कांग्रेस के स्थानीय दमखम वाले नेताओं के अलावा वरिष्ठ नेताओं ने भी डेरा डाल रखा है। बागेश्वर पहुँचे मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि इस उपचुनाव में चम्पावत का रिकार्ड टूटेगा। भाजपा ने ताबड़तोड़ चालीस स्टार प्रचारकों को उतारा। इसके अलावा दिखने दिखाने वाले नेता स्वयं भी चले आए। कांग्रेस की ओर से प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने संभाल रखी है। कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत सहित पूर्व विधायक व संगठन के नेता लगातार जुटे हुए हैं। इनका मानना है कि परिवर्तन की हवा का कांग्रेस को लाभ होगा।

चुनाव मैदान में उत्तराखण्ड क्रान्तिदल के अर्जुन देव, समाजवादी के भगवती प्रसाद त्रिकोटी, उपपा के भगवत कोहली भी उतरे हैं और इन पार्टियों के नेताओं ने उत्तराखण्ड प्रदेश में मची लूट को लेकर खूब कहा। पार्टी नेताओं की कहने-करने का अंदाज चाहे कैसा ही हो फिलहाल मुकाबला रोचक होता जा रहा है।

## रिकॉर्ड मतों से जनता का आशीर्वाद : धामी

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

बागेश्वर उपचुनाव के लिये मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लुभावने वादों के साथ ही सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा है कि चम्पावत चुनाव का सा परिणाम बागेश्वर में मिलेगा। भाजपा को जनता का भरपूर आशीर्वाद मिलने जा रहा है। क्षेत्र के विकास के लिये सरकार की ओर से किये जा रहे कार्यों को गिनाते हुए सीएम ने कहा कि सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट, पानी, अस्पताल, नई शिक्षा नीति सभी ओर चौकस हैं। बागेश्वर-टनकपुर रेल लाइन की घोषणा पिछले विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हल्द्वानी से की थी। इसका सर्वे हो रहा है। विरोधी दल के पास प्रत्याशी तक नहीं था, दूसरे दल से लाया गया। ऐसे में इनसे क्या उम्मीद की जा सकती है।

## कांग्रेस की ओर सबकी नज़र : करन

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष करन महरा कहा कहना है कि इस समय सबकी नज़र कांग्रेस की ओर है। अब जनता जन विरोधी सरकार को सबक सिखाएगी। यह उपचुनाव जन विरोधी सरकार को सबक सिखाने का वक्त है। बढ़ती महंगाई और तमाम तरह के भ्रष्टाचार भाजपा को बुरी हार की ओर ले जाने वाले हैं। महरा ने कहा कि सड़क से लेकर सदन तक जिस प्रकार का ताण्डव भाजपा राज में चल रहा है उससे आम जन त्रस्त हो चुका है। डबल इंजन के नाम पर लोगों के साथ धोखा हुआ है। ऐसे में आम जनता इनसे बदला जरूर लेगी। कांग्रेस प्रत्याशी बसन्त भारी मतों से बागेश्वर चुनाव जीतेंगे।

## १६ साल में विकास न कर पाया दास परिवार : यशपाल

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य का कहना है कि बागेश्वर विधाान सभा क्षेत्र में भाजपा विधायक का कार्यकाल निराशाजनक रहा है। 16 साल के विधायक कार्यकाल में दास परिवार कोई विकास नहीं कर पाया। जनता इस बात को भली भाँति जानती है और इसका परिणाम भाजपा को भुगतान होगा।

## हार निश्चित जान विपक्ष तिलमिला चुका है : महेन्द्र

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट का कहना है कि विपक्ष अपनी हार निश्चित जान तिलमिला चुका है। जनता प्रधानमंत्री मोदी के मिशन के अलावा प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को समझ रही है। विपक्ष हमेशा की तरह निराशा की बात कर रहा है और अनर्गल बयानबाजी कर रहा है। इसका जवाब चुनाव में मिल जायेगा।

## लोकतंत्र को बचाना है : हरीश

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

पूर्व मुख्यमंत्री हरशी रावत ने कांग्रेस प्रत्याशी के लिये अपील करने के साथ ही कहा कि समय लोकतन्त्र बचाने का है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार केन्द्र और राज्य सरकार जनता को रौंद रही है उसका न्याय जरूर होगा। इस समय बदलावा की लहर है।

## भाजपा की टीम मजबूत : बिष्ट

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

भाजपा के चुनाव प्रभारी शिव सिंह बिष्ट ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी सीध में आगे बढ़ती जा रही है। भाजपा पार्टी संगठन बूथ स्तर तक जितना मजबूत है उतना ही जनता का भरोसा सरकार के कार्यों पर है। बागेश्वर चुनाव ऐतिहासिक होने जा रहा है।

## लला जसुली शौक्याणी मंच का अभियान तेज

### धर्मशालाओं को कब्जे से बचाओ

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

बागेश्वर। जसुली बूढ़ी लला शौक्याणी धर्मशाला जीर्णोद्धार एवं प्रबन्धक समिति के पंजीकरण के बाद से जगह-जगह बनी जुसली की धरोहरों को संरक्षित करने के लिये अभियान के तहत इन्हें चिन्हित किये जाने का कार्य शुरु हो चुका है। सभी से अपील की जा रही है कि इन धरोहरों को कब्जा होने से बचाया जाए। संस्था के अध्यक्ष फली सिंह दताल, उपाध्यक्ष गंगा सिंह पांगती, सचिव ए.एस.गर्ब्याल, कोषाध्यक्ष देवेश सिंह गर्ब्याल, विशिष्ट सदस्य सुनील सिंह दताल, सदस्य कृष्ण सिंह, श्रीराम सिंह सहित जनसरोकारों से जुड़े लोग इस नेक कार्य में सहयोगी बन रहे हैं। अभियान को लेकर बागेश्वर में एक बैठक आहूत करने पर भी विचार हुआ है। सरकार से भी अपील है कि कैलाश पथ पर जगह-जगह बनी इन धर्मशालाओं को संवारने के लिये तीव्रता से कार्य किया जाए। इस दिशा में हुए कार्यों के लिये वरिष्ठ अधिकारियों, पर्यटन विभाग की प्रशंसा भी की है।

## हिमालयी माँ नन्दा देवी मन्दिर भव्यता की ओर

### रंगाई-पुताई के साथ कार्य तेज

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

जोहार। मर्तोली में नन्दा देवी मन्दिर के निर्माण कार्य को तीव्रता से किया जा रहा है। हिमालयी माँ नन्दा देवी ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं सहित समस्त जन इस पुनीत कार्य में सहयोगी बन रहे हैं। जगह जगह से मर्तोलिया बन्धुओं द्वारा इसके लिये सहयोग व अपील की जा रही है। प्रदेश में पाँचवे धाम के रूप में नन्देवी मर्तोली को विकसित करने की दिशा में काफी पहले से मर्तोली बन्धु इस अभियान में जुटे थे और इस समय प्राचीन मन्दिर को भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। मन्दिर में रंगाई-पुताई के अलावा बिजली फिटिंग का कार्य हो रहा है। सोलर इनवर्टर का कार्य भी चल रहा है। परिक्रमा पथ व अन्य स्थान पर सिंथेटक बोर्ड, लकड़ी की फ्लोरिंग, गर्भगृह और आउटर गैलरी में टाइल्स लगने का कार्य जारी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

## भ्रष्टाचार की कहानी लम्बी है : खटीमा कालेज के कमरे सील

**भ्रष्टाचार की शिकायत पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के निर्देश से कमिश्नर दीपक रावत के आदेश पर उपजिलाधिकारी ने हेमवती नन्दन बहुगुणा स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा के कई कमरे सील कर दिये। आरोप है कि खटीमा महाविद्यालय भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है। कालेज में खेलकूद सामग्रियों से लेकर ओपन यूनिवर्सिटी के कई मामलों में घपले का आरोप लगाया जा रहा है। कमिश्नर ने आरटीआई कार्यकर्ता दीपक बिष्ट और महाविद्यालय से सम्बन्धितों को कैम्प कार्यालय हल्द्वानी बुलाया। कमिश्नर के दरबार में महाविद्यालय के आठ प्राध्यापक अपनी सफाई देने पहुँचे। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कमिश्नर ने क्रीड़ा विभाग का कमरा सील करने के निर्देश दिए।**

**भ्रष्टाचार की यह कहानी बहुत लम्बी है। दरअसल हो यह रहा है कि खटीमा महाविद्यालय तो शुरु से ही चर्चा में है और यहाँ पर गुटबाजी करने वालों ने माहौल इतना खराब कर डाला है कि लगातार बबाल मचता रहा है। इसके अलावा भी कई महाविद्यालयों की कहानी बहुत ठीक नहीं है। कहने को छोटे-छोटे महाविद्यालय शान्त दिखाई दे रहे हैं लेकिन इनमें बजट का बंटवार और खरीद कितनी चतुराई से हुई है, सब जाँच का विषय है। क्रीड़ा और ओपन यूनिवर्सिटी की परीक्षा का प्रभार लेने के लिये मारपीट तक की नौबत आ जाती है। इनमें आंखिर ऐसा क्या है? सुनकर आश्चर्य होगा है कि महाविद्यालयों में पठन-पाठन के अलावा होने वाली कई गतिविधियां इनती बेगार सी हैं कि बैनर लगाकर शासन को फोटो प्रेषित किये जाते हैं।**

**इस समय जबकि खटीमा कालेज में जाँच की तलवार लटक चुकी है तो उम्मीद की जानी चाहिये कि इसकी जड़ों तक कमिश्नर पहुँचेंगे। खटीमा से लगे कालेजों में भी यह जाँच हो तो काफी उजागर होगा। टनकपुर महाविद्यालय भी इसमें से एक है।**

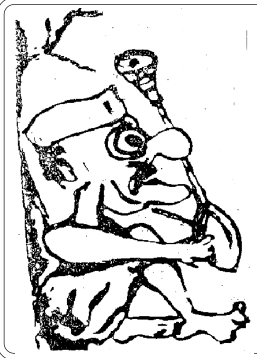

### फसक

## दाज्यू, सबका ध्यान उत्तराखण्ड की ओर ठैरा

## बागेश्वर में पुराने के साथ नया कौतिक भी जुड़ गया है बल

दाज्यू, फिल्म अभिनेता रजनीकान्त ध्यान लगाने द्वाराहाट पहुँच गये। पहले चारधाम की ओर निकल पड़े थे। दाज्यू, सबका ध्यान उत्तराखण्ड की ओर ठैरा। सरकार भी प्रदेश को मॉडल बनाने की बात कह रही है। हमारी कुछ समझ नहीं आ रहा है कि क्या होने वाला है। देहरादून, हल्द्वानी, रुद्रपुर, टनकपुर में तो पहले ही मैदान उमड़ कर आ चुका है। पहाड़ में भी मैदान से आ रही भीड़ खपड़्योव कर रही है। सितारगंज जेल में बन्द उम्रकैदी भाग चुका है। दाज्यू, सितारगंज जेल के भी किस्से ही किस्से ठैरे।

सोचा था बागेश्वर के उपचुनाव में घूमफिर होगी लेकिन वहाँ तो नेताओं का ढेरम-ढेर लगा हुआ है। बागेश्वर में पुराने के साथ नया कौतिक भी जुड़ गया है बल। हमारे बस की बात नहीं। पार्टी वाले कह रहे हैं इतिहास रचेंगे। शराब तस्कर लब्बू और खड़िया चोर मोती भी प्रचार में लगे हैं बल। विश्वविद्यालय के परिसर में तैनात प्रवक्ता परेशान है। टनकपुर कालेज में गफ्फू-लफ्फू के लफड़े में उन्हें अदेय प्रमाण पत्र नहीं दिया जा रहा है बल। प्रवक्ता ने लिखित रूप से उन्हें अदेय प्रमाण पत्र देने को कहा है। इस कालेज में रूसा-उषा का मामले का बण्डल बंधा हुआ ठैरा। लग रहा है शिक्षामंत्री जब तक इसकी गांठ नहीं खोलेंगे कुछ नहीं होने वाला।

हल्द्वानी में एक जालसाज दम्पत्ति ने एक करोड़ में बन्धक जमीन बेच दी। बिना जांच-पड़ताल के जमीन खरीदने वाले परेशान हो चुके हैं। तराई में नेताओं का घमासान जारी है। पूर्व मंत्री और किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ कह रहे हैं- 'राजनीति में हर नेता अपने पुत्र को आगे बढ़ाता है।' दाज्यू, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला भी चुटइया खोल बेहड़ से सवाल-जबाव कर रहे हैं। हमारी यही समझ नहीं आ रहा है कि बेहड़, मोंगा, ठुकराल, बांगा, कुक्की, अरोरा......कितने नेता हो गये हैं तराई में? जिस तराई को पं.नारायणदत्त तिवारी साध लेते थे उसे चाने-चिताने वाला कोई नहीं दिख रहा है। दीनदयाल, भूधर, अम्बादत्त, जुगल किशोर, बद्रीदेव जैसे कई अपने मोहल्ले के नेता बनकर रह गये हैं।

दाज्यू, किया भी क्या जा सकता है जब हर जगह घमाघम होने लगी है। जिसके मन आए हुड़का थामे दमादम चुटाचूट करने लगा है। लोहाघाट के ऋषेश्वर महादेव मन्दिर में कथा से पहले मन्दिर समिति और बाबा के बीच टकराव हो गया। पुलिस बुलानी पड़ी। दाज्यू, चन्द्रयान की नई खोज पर नई उम्मीदें जगी हैं।-तुम्हारा भुली झकरुवा

# आफत का मंजर : बादल फटने से भारी तबाही

**डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला**

उत्तराखण्ड में आसमान से आफत बरस रही है। बादल फटने से प्रदेश में तबाही का मंजर देखने को मिला। गरुड़ गंगा मे भी बादल फटने से भारी तबाही हो गई है। गरुड़ गंगा लॉज नदी के किनारे दो आवासीय मकान नदी में बह गए है। गरुड़ निवासी के अनुसार के मकानों के बहने की सूचना है जबकि ग्राम पंचायत पाखी के विभिन्न तोक खतरे की जद मे आ गए हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत पाखी के ऊपर भी भू धंसाव के कारण गाँव में पानी भर गया है लोग दहशत मे है। भारी बारिश व बादल फटने के कारण गरुड़ गंगा नदी के किनारे दो मकान, गरुड़ गंगा मन्दिर एवं पुल भी खतरे की जद मे आ गए हैं। इसके चलते कई मकान और दुकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सीसी और वैली ब्रिज भी टूट गया है। धाधड़ बगड़ में भारी नुकसान होने की आशंका है। वहीं, सोल घाटी मोटर मार्ग का 50 मीटर हिस्सा पानी में बह गया है। चमोली जिले में बद्रीनाथ हाईवे पर मायापुर में पहाड़ से आए मलबे के नीचे कई गाड़ियां दब गई हैं।

डीएम चमोली ने बताया कि मलबे के नीचे वाहन दबे हैं लेकिन अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इसके चलते कई मकान और दुकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सीसी और वैली ब्रिज भी टूटा है। धाधड़ बगड़ में भारी नुकसान हुआ। वहीं, सोल घाटी मोटर मार्ग का 50 मीटर हिस्सा पानी में बह गया है। चमोली जिले में बद्रीनाथ हाईवे पर मायापुर में पहाड़ से आए मलबे के नीचे कई गाड़ियां दब गई हैं। डीएम चमोली ने बताया कि मलबे के नीचे वाहन दबे हैं लेकिन अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बताते चलें कि आफत मचने के दौरान मौसम विभाग ने देहरादून, टिहरी, चम्पावत, पौड़ी गढ़वाल, नैनीताल और उधम सिंह नगर में भारी बारिश होने का रेड अलर्ट जारी किया। हरिद्वार में बारिश को लेकर आरेंज अलर्ट की चेतावनी दी गई। वहीं अन्य जिलों में यलो अलर्ट था। मौसम विभाग के निदेशक के अनुसार 8 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका जताई। बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग मायापुर, नन्दप्रयाग, बाजपुर, छिनका, गुलाबकोटी, बेलाकुची, पागल नाला, काली मन्दिर टंगणी, हाथीपर्वत व विष्णुप्रयाग के पास मलबा आने के कारण सड़क मार्ग अभी तक अवरुद्ध हैं। श्रद्धालुओं/यात्रियों से चमोली पुलिस की अपील है कि कृपया धैर्य बनाए रखें और मार्ग खुलने तक सुरक्षित स्थानों पर रुके रहें, जल्दबाजी न करें, यात्रा मार्ग का अपडेट लेकर ही प्रस्थान करें। इसके साथ ही चमोली में बहने वाली नदियाँ अलकनन्दा पिण्डर व नन्दाकिनी नदी भी उफान पर हैं। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग धरासू बैंड और यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग डाबरकोट में लैंडस्लाइड होने से परेशान कर रहा है। दोनों राष्ट्रीय राजमार्गो के अवरोध से बड़ी संख्या में यात्री और वाहन फंस गए हैं। दोनों राष्ट्रीय राजमार्ग को खोलने में बीआरओ जुटा। नीलकंठ के रास्ते पर एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू के लिए पहुँची। कहीं नदी-नाले तो कहीं मलबे की वजह से रेस्क्यू कार्यों में दिक्कतें हो रही हैं।

राजधानी देहरादून से लगे टिहरी क्षेत्र के धनोल्टी विधानसभा के चिफल्टी गाँव में नदी में आई बाढ़ से दो घर बह गए। उत्तराखण्ड में लोगों का जनजीवन आज कहीं अतिवृष्टि से तो कहीं सूखे और पेयजल की मार से पहले ही कष्टमय बना हुआ है। उस पर जलवायु परिवर्तन के कारण बादल फटने की घटनाओं ने इस समस्या को बहुत गम्भीर बना दिया है। पर सबसे बड़ा सवाल आज यह है कि इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार कौन है? राज्यप्रशासन? मौसमविभाग? जलवायु परिवर्तन? या पर्यावरण विरोधी हमारी विकास योजनाएं? वास्तविकता यह भी है कि उत्तराखण्ड सरकार ने इन बादलों के फटने से उत्पन्न होने वाली आपदाओं के नियंत्रण और आपदा से पीड़ित लोगों को राहत देने की किसी स्थायी योजना पर कभी गम्भीरता से विचार ही नहीं किया। देवभूमि उत्तराखण्ड से बादल फटने जैसी दिल दहलाने वाली प्राकृतिक आपदाओं की घटनाएं होने लगती हैं परन्तु हमारे देश का मौसम विभाग इस प्रकार की आपदाओं के पूर्वानुमान को गम्भीरता से नहीं लेता जिससे कि इन बादल फटने की घटनाओं से होने वाले जानमाल के नुकसान को रोका या कम किया जा सके। किन्तु बादल कब फटेंगे किस क्षेत्र में फटेंगे, इसकी सूक्ष्म जानकारी देने का प्रयास मौसम विभाग द्वारा कभी नहीं किया गया और न ही इस दिशा में कोई कार्य योजना बनाई गई। उत्तराखण्ड के बादल फटने वाले सम्वेदनशील इलाकों में आब्जर्वेटरी ही नहीं है तो फिर कैसे मौसम विभाग को बादलों के फटने की खतरनाक हरकत का पता चल पाएगा? ऐसे हादसों के मौकों पर प्राय: मौसम विभाग भारी वर्षा होने का अलर्ट जारी करके अपनी जिम्मेवारी से पल्ला झाड़ लेता है। विषम आर्थिक और भौगोलिक परिस्थितियों ने यदि यहाँ के जीने की राह मुश्किल की है तो उनसे लड़ने का हौसला भी दिया है।

## जाखन गांव में मकान धराशायी हुए

देहरादून। भूधंवाव के चलते पछवादून की बिन्हार की मदारसू ग्राम पंचायत का जाखन गाँव आपदा से घिरा है। यहाँ दर्जनभर मकान पत्ते की तरह गिर गये। कई मकान धराशायी होने को तैयार हैं। प्रभावित परिवारों को शिफ्ट किया गया है

## चमोली में भूस्खलन से दो की मौत

भारी बारिश और भूस्खलन के कारण चमोली में के हेलंग के समीप एक घर के ऊपर मलबा गिरने से दो की मौत हो गई। घर में सात लोग थे, जिसमें से 5 घायल हुए हैं। विकासनगर के जाख में भूस्खलन से ग्राम खतरे की जद में है।

## पत्थरों की चपेट में ऑपरेटर की मौत

चम्पावत। टनकपुर-जौलजीवी मार्ग पर रूपालीगाड़ में काम कर रहे जेसीबी मशीन ऑपरेटर सुरेश चन्द्र गहतोड़ी की पत्थरों की चपेट में आने से मौत हो गई।

## थल-मुनस्यारी मार्ग पर आफत मची

थल। थल-मुनस्यारी मार्ग बनिक में भूस्खलन से आफत मची हुई है। बीआरओ ने फिलहाल मार्ग बनाया है लेकिन इसमें स्थायी समाधान जरूरी है। मार्ग बन्द होने से खाद्यान्न व अन्य सामग्री में भी काफी परेशानी हुई है।

## आंगन ढह गया

चम्पावत। नेपाल सीमा से लगे पोथ ग्राम पंचायत के हेड़ा गांव में माधो सिंह के मकान का आंगन ढह चुका है जिससे मकान को खतरा है।

## तपोवन में खतरा

धारचूला। तपोवन में भूस्खलन से चार मकानों को एकदम खतरा है। पीताम्बर भट्ट, महादेव, चिन्तामणि के मकान गिरने को हैं। पीड़ितों ने अपने रिश्तेदारों के पास शरण ली है। एसडीएम ने निरीक्षण कर हिलवेज कम्पनी को तत्काल सुरक्षा दीवार बनाने को कहा। नगर गेट के पास भी यही हाल है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

अस्तित्व

# जोहारी संस्कृति के द्योतक 'सफेद टोपी व 'खोंपी'

**जगदीश सिंह बृजवाल**

जोहारी शौकाओं की सांस्कृतिक पहचान विविधता व विशिष्टताओं से भरा है। मध्य हिमालयन मंगोलयाड़ मुख-मुद्रा, कुशल घुरसवार आक्रमणकारी, यायावरी पशुचारक, आधुनिक जोहारियों से सम्मिश्रण, रक्त सम्बन्ध से लेकर समृद्ध व्यापारी तक का जीवन सफर तथा पौराणिक हिमालय मानव जाति से भी कुछ-न-कुछ सम्बन्ध अवश्य ही रहा है। जिस कारण सांस्कृतिक सम्मिश्रण व समागम भी दिखाई देती है। जिससे यह समाज अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाने में कामयाब आज तक तो हैं दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां, अदम्य साहस, कठोर परिश्रम से महान हिमालय को भेदते दोनों ओर निवास करने वाले जनमानसों के बीच सदैव आकर्षक बनकर ही रहे थे। अनेक सामाजिक सम्पर्क, सांस्कृतिक आदान -प्रदान भी निरन्तर होते रहा है।

कालांतर में जनजातीय संस्कृति का धर्मान्तरण अन्य धर्म के धर्मान्धाओं के सम्पर्क में आकर होता रहा है किन्तु कुछ अपनी संस्कृति प्रेम भी जिसे त्यागना व भुला पाना भी मुश्किल था। जैस- 'सफेद टोपी व सफेद खोंपी' का मोह आज भी वैसे ही बना है यद्यपि विवाहोत्सव पर सफेद टोपी ओढ़ने का आधार प्रामाणिक नहीं है परन्तु रहस्यात्मक, सम्मान का प्रतिकात्मक स्वरूप अवश्य है।

शौका महिलाओं का परिधान सिर से पाँव तक उन्हें नूर और हूर बना देती है जिसमें सिर में पहनने वाली खोंपी माथे के ऊपर एक छोटा सा खुबसूरत डिजाइन दार पट्टी लगभग एक-ढेड़ मीटर लम्बा जिसको को दो भाग एक सिरे को बन्द करने पर खोपी बनता तथा शरीर के पृष्ठ भाग में लटकता दुसरे सिरे को कमर में ठोंस दिया जाता है महिलाओं का यह अतीत में दैनिक धारण परिधान था, ठण्डा प्रदेश भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप वेष-भूषा भी पहनते थे।

20 वीं सदी के आते-आते सामाजिक परिवर्तन से अपने सांस्कृतिक जीवन शैली से दूरियाँ बनाना लोगों की मजबूरियां भी थी। लोग अपनी रोजी-रोटी के लिए समुदाय का परित्याग करते अन्यत्र पलायन करते जा रहे थे। इस सामाजिक विछिन्नता के कारण सांस्कृतिक ह्रास होना भी निश्चित था।

सदी के सातवीं, आठवीं दशक में शौकाओं के घर-परिवार में विवाह संस्कार, आयोजन परम्परागत ढंग से ही होती थी। अपनी मूल संस्कृति को भूले नहीं थे। बारात प्रस्थान से लेकर प्रीतिभोज तक का दृश्य अत्यधिक रोंमांच से भरा रहता था।

बारात की तैयारी तथा प्रस्थान तक सफेद टोपी की लालसा हर किसी का लक्ष्य व बाराती बनकर अपनी श्रेष्ठता भी कायम करने की थी।

परिवार में मंत्रणा के बाद टोपी राठ (जेष्ठ परिवार बिरादरी) में या मवार (प्रत्येक परिवार) देने पर अन्तिम निर्णय हुआ, जो फैसले आर्थिक स्थिति के चलते भी लेने पड़ते थे, किन्तु अभी भी टोपी प्राप्त की आशाएं बनी थी। यदपि आज सफेद टोपी प्राप्ति का कोई महत्व नहीं है।

आंगन में बाजा-घाजा बजने के बाद लोगों की भीड़ बारातियों का इन्तजार आना प्रारम्भ, बाराती नये तथा पुराने साफ स्वच्छ कपड़े पहनकर आते हैं तथा सोगनाथ (सगुन ग्रहण) हेतु आसन ग्रहण किया जाना, तब कुल पुरोहित के साथ घर का मुख्य व्यक्ति सफेद टोपी थामे, पहले पण्डित जी द्वारा माथे पर पिठाग लगाना फिर अभिवादन के साथ घर के व्यक्ति द्वारा सफेद टोपी सिर पर रख देना, चारों तरफ से बारातियों पर लोगों की नजरें, सफेद टोपी ओढ़ने के बाद व्यक्ति का हाव-भाव में परिवर्तन बाराती अपने को धन्य व गौरवान्वित महसूस करता है।

विवाहोत्सव में जितनी उमंगता पुरुषों में उससे कहीं ज्यादा महिलाओं में भी दिखाई देती थी। परम्पराएं पुरानी किन्तु बेष-भूषा में आधुनिकता का मिश्रण है। बुजुर्ग महिलाएं ही खोंपी पहनें पारम्परिक परिधान में थे तथा नव युवा, अधेड़ महिलाओं ने साड़ी पहनना प्रारम्भ कर दिया था। नये परिधान पहने बुजुर्ग महिलाएं वास्तव में संस्कृति का प्रतीक तथा सुन्दरता का साक्षात प्रतिरूप लगती थी। सुसंस्कृति के जानकार, प्रकृति के वाहक जिन्होंने विभिन्न समाज, समुदाय के साथ अपनी समवन्यता, सुव्यवहार से स्वयं के संस्कृति को भी साँचे में ढालने का काम किया था। जिसकी चमक आज भी बिखरेती नजर आती है। जिसे हमें बखुबी समझना तथा संरक्षण भी देना होगा।

## ज्योतिष की बातें - 141

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का गोचर परिवर्तन नहीं हो रहा है। पूरे सप्ताह शनि अपनी मूलत्रिकोण राशि कुम्भ में सूर्य, बुध और बृहस्पति मित्रराशि सिंह, सिंह और मेष में क्रमशः, शुक्र शत्रुराशि कर्क में और चन्द्रमा मकर, कुम्भ व मीन राशि में गोचर करेंगे।

इस स्तम्भ के अन्तर्गत ग्रह विशेष का स्थूल रूप से ही फलित किया जाता है। यह ध्यान रखना चाहिए कि व्यक्तिविशेष के लिए गोचरफल का सूक्ष्म विश्लेषण उसकी जन्मकुण्डली दशा आदि पर ही निर्भर करता है।

रक्षाबन्धन- रक्षाबन्धन का पर्व श्रावण मास की शुक्लपक्ष की भद्रारहित पूर्णिमा तिथि में मनाया जाता है। अतः इस वर्ष रक्षाबन्धन का पर्व बुधवार 30 अगस्त को भद्रोपरान्त रात्रि 9:02 के बाद मनाया जाएगा । रात्रि में रक्षा सम्बन्धी पूजन करके, पितरों और देवताओं को रक्षासूत्र अर्पण करने के बाद बहनें अपने भाई को और ब्राह्मण अपने यजमान को राखी बांधेंगे। वैसे राखी बांधने का कार्य रक्षापूजन के बाद समय व सुविधा के अनुसार जन्माष्टमी तक किया जा सकता है ।

शुभं भवतु !!

**-ओंकार नाथ कोष्टा**
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

## सम्यक विचार- 32

### सर्वव्यापी संस्कृति

आजकल ऐसा कहा जाता है कि यदि व्यक्ति को अंग्रेजी भाषा आती हो तो वह दुनिया के किसी भी देश में जाकर आसानी से वार्तालाप कर सकता है, व्यवहार कर सकता है। अब विचार करें कि- आज से चार-पाँच सौ साल पहले, एक हजार साल पहले अथवा दस हजार साल पहले भी, विभिन्न देशों में व्यापार के उद्देश्य से अथवा तीर्थाटन के उद्देश्य से आना-जाना होता था। गुरु नानक आदि सन्तों ने यूरोप अफ्रीका आदि देशों की यात्र की थी, दुनिया भर से लोग विद्याध्ययन के लिए भारत में आते थे। उस समय वे लोग स्थानीय लोगों से किस भाषा में बातचीत करते थे? उस समय उनके सम्पर्क की भाषा क्या थी? क्या अंग्रेजी में बात करते थे? क्या फ्रांसीसी में, क्या जर्मनी में या किसी अन्य भाषा में बातचीत किया करते थे? नहीं !!

मेरे विचार से यह बात निर्विवाद है कि अंग्रेजों का साम्राज्य लगभग पूरे विश्व में होने के बाद ही अंग्रेजी भाषा का प्रसार हुआ था। इसके पूर्व समस्त विश्व में सम्पर्क की भाषा संस्कृत ही थी। भारत के अन्दर भी एक राष्ट्रीय भाषा के रूप में कुछ लोग हिन्दी का विरोध करते हैं लेकिन संस्कृत भाषा का विरोध भारत में कहीं पर भी दृष्टिगोचर नहीं होता है। तीन चार सौ वर्ष पहले तक बड़े-बड़े साहित्यकार अपनी रचनाएँ संस्कृत भाषा में ही लिखते थे और आज भी जिन्हें कालजयी ग्रन्थ की रचना करनी है, जिस ग्रन्थ को भविष्य में भी हजारों साल तक पूरे विश्व में पढ़ा जाएगा, ऐसे ग्रन्थों की रचनाएँ वे साहित्यकार आज भी संस्कृत में ही कर रहे हैं। भाषा वैज्ञानिकों का भी मानना है कि विश्व के सभी भाषाओं की जननी संस्कृत ही है । धीरे-धीरे दूरी, दिशा और समय के अनुसार संस्कृत भाषा में अपभ्रंश होता गया और विश्व में विभिन्न भाषाएँ बनती चली गईं।

हम सभी संस्कृतप्रेमी श्रावण शुक्ल पूर्णिमा 'संस्कृत दिवस' पर यह प्रण करें कि प्राचीन काल की तरह देवभाषा संस्कृत पुनः विश्व की सम्पर्कभाषा बने।

जयतु संस्कृतम् !!

**-सरल**

## एक फरियाद मुख्यमंत्री ज्यू थें

एक फरियाद माननीय मुख्यमंत्री ज्यू थें करनूं।
आदरणीय पुष्कर सिंहधामी ज्यू जी रया जागि रया
आपूं स्वस्थ्य रया, मस्त रया, व्यस्त रया, स्वस्थ्य निरोगी काया हो।
हमर आशीर्वाद व शुभकामना छु तुम लिन्हे रया।
आपूं ज्ाग ज्ाग घूमने रया, देखने रया-भालने रया।
हमर गोंक तरफ औने-जाने रया,
कभै ढुंग झन फरकाया और ना पुठ फरखाया
याद करने रया, भेट करने रया।
जो फरियाद आपूं पास भेजते रौंलो
वीके आपूं ध्यानल पढ़ने रया, मनन करते रया।
हमूंल आपूं पास भौत चिट्ठी भेजी
परन्तु वीक उत्तर आज तक नी मिल, किले हमूंकें भुलि गया।
तकैं भली कें याद करनै रया, हम याद दिलाते रौनू।
हमर गौं नैनीताल जिल्ल में ज्योलीकोट छु
वी तरफ लै कभै औने जाने रया, गौं वाणां पे भेट करने रया।
हमर सुख-दुख में भागीदार बणने रया,
यांकि लै विकास कि ज्योति जलौने रया
यांक नानतिना व ठुल बुजुर्गों थें भेंट करने रया,
कुशल बात पुछते रया।
ज्यादा क्ये कौनू आपूं समझदार भया
परन्तु हमार तरफ लै ध्यान धरने रया।
एक बखत तो जरूर ज्योलीकोट तरफ औने रया
हम सबूं थें भेंट मुलाकात करने रया। भुलिया झन
-एक फरियादी गौं वाला तरफ बटी
(नन्दाबल्लभ पाण्डे, वरिष्ठ नागरिक ज्योलीकोट)

संस्कृति

## दयारा बुग्याल में दूध मक्खन की होली

उत्तरकाशी। समुद्रतल से दस हजार फीट की ऊँचाई पर स्थित दायरा बुग्याल में प्रसिद्ध अढ़ूंडी उत्सव (मक्खन का उत्सव) धूमधाम से मनाया गया। परम्परा के अनुसार इस लोक उत्सव में दूध मक्खन मट्ठा की होली खेलने के साथ ही प्रकृति देवता की पूजा की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में दयार पहुँचे।

उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से 42 किमी दूर और भटवाड़ी ब्लाक के रैथल गाँव से 6 किमी क्षेत्र में फैले दयार बुग्याल में भाद्रपद संक्रान्ति के दिन अंढ़ूढी उत्सव मनाने की परम्परा है। इस लोक उत्सव में मक्खन, मट्ठा की होली खेलने के साथ ही प्रकृति देवता की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में रयाद बुग्याल में पर्यटकों व ग्रामीणों ने मक्खन मट्ठे की होली का आनन्द लिया।

यहाँ राधा कृष्ण के साथ मक्खन-मट्ठे की मटकियां फोड़ते हुए ढोल-दमाऊ की थाप पर नृत्य किया। कार्यक्रम में समिति के सचिव सुरेश रतूड़ी, प्रधान रौथल सीमा राणा, गजेन्द्र सिंह राणा, ज्ञानेन्द्र राणा, सन्तोषी ठाकुर भी मौजूद थे।

इस बार के आयोजन का शुभारम्भ क्षेत्र के अराध्य सोमेश्वर देवता की डोली से किया गया।

## क्वीली गांव में १७ वर्षो बाद पातबीड़ा महोत्सव

### हिमालय के लघु महाकुम्भ के नाम से विख्यात यह यह उत्सव

रुद्रप्रयाग। तल्ला नागपुर के क्वीली गाँव में 17 वर्षो बाद पातबीड़ा महोत्सव का शुभारम्भ हुआ। हिमालय के लघु महाकुम्भ के नाम से विख्यात पातबीड़ा उत्सव का शुभारम्भ ग्राम क्वीली के श्री नन्दा देवी मन्दिर में पूजा-अर्चना के साथ किया गया। 25 अगस्त तक चलने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन ग्राम क्वीली, कुरझण और बड़कोटी के ग्रामीणों के सामुहिक सहयोग से हो रहा है। भाद्रपद संक्रान्ति से शुरु होने वाले इस आयोजन में दुर्वाष्टमी के दिन होने वाला डाली कौतिक विशेष रूप से पूरे क्षेत्र के नन्दा भक्तों के बीच विख्यात है। ब्राह्मणों ने विधिवत पूजा, हरियाली रोपण के साथ अनुष्ठान को शुरु करवाया। इससे पूर्व ग्राम कुरझण और बड़कोटी के नन्दा भक्त इस अनुष्ठान में शामिल होने ढोल-दमाऊ के साथ साथ थिरकते हुए पहुँचे। अनुष्ठान में सम्मिलित होने के लिये प्रवासी ग्राम वासियों और क्षेत्र के नन्दाभक्तों के पहुँचने का सिलसिला जारी है। 24 अगस्त को मुख्य पत्वीड़ डाली महोत्सव होगा। कोटेश्वर महादेव के महन्त शिवानन्द गिरि के सहयोग से विशाल भण्डारे का आयोजन भी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय



## ऑडिटोरियम की तैयारी

अल्मोड़ा। जिला मुख्यालय अल्मोड़ा में पं.गोविन्द बल्लभ पन्त संग्रहालय की जगह बहुमंजिला ऑडिटोरियम बनाने की तैयारी है। इसके लिये संस्कृति विभाग ने डीपीआर बनानी शुरु कर दी है। नगर के माल रोड पर ऑडिटोरियम के साथ ही पार्किंग का भी निर्माण किया जाना है। संग्रहालय के प्रभारी निदेशक डॉ.चन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि तीन मंजिला इस भवन में पं.गोविन्द बल्लभ पन्त गैलरी भी बनाई जाएगी।

## २०० करोड़ से बनेगी कार पार्किंग

नैनीताल। शहर के मेट्रोपोल क्षेत्र में करीब 200 करोड़ की लागत से 500 चारपहिया और 200 दोपहिया वाहनों के लिये कार पार्किंग निर्माण को लेकर डीएम वन्दना सिंह ने निरीक्षण किया। बताया कि पार्किंग निर्माण के लिये डीपीआर शासन को भेज दी गई है। इससे पर्यटन सीजन में लगने वाले जाम से काफी राहत मिलेगी।

## विवाद के बाद हल ढूंढ रहे हैं

रामनगर। क्षेत्र की प्रतिष्ठित संस्था प्रगतिशील सांस्कृतिक पर्वतीय समिति में विवाद के बाद इसे निपटाने के दिशा में पहल हो रही है। समिति के पूर्व महा प्रबन्धक दिनेश सत्यावली एवं पूर्व उप सचिव मनोज तिवारी ने आरोप लगाया है कि सोसाइटी रजिस्ट्रेशन कार्यालय द्वारा तथाकथित कार्यकारिणी को अवैध घोषित कर दिया है लेकिन समिति के सारे अभिलेख अपने कब्जे में लेकर तथाकथित समिति ने कार्यालय में ताला लगा दिया है। दूसरी ओर समिति का कहना है कि वह संस्था को संवार रही है।

## नये महाविद्यालयों को मिलेगी भूमि

देहरादून। उच्चशिक्षा मंत्री धनसिंह रावत समीक्षा बैठक में कहा कि उच्चशिक्षा विभाग के तहत नवसृजित महाविद्यालयों को शीघ्र भूमि उपलब्ध कराई जायेगी। प्रत्येक विकासखण्ड में नये राजकीय महाविद्यालयों की स्वीकृति प्रदान करते हुए दस नये महाविद्यालयों की स्थापना की गई है, जिसमें से अधिकांश को भवन के लिये भूमि उपलब्ध करा दी गई है जबकि सुद्धोवाला, रामगढ़, मोरी एवं खाड़ी महाविद्यालय को भूमि न मिलने से भवन नहीं बन पाए हैं।

## पूर्व प्राचार्य रामसिंह का निधन

हल्द्वानी। एमबीपीजी कालेज के पूर्व प्राचार्य राम सिंह का विगत दिवस निधन हो गया। स्व. रामसिंह ने वर्ष 1964 में गणित विभाग में सेवा प्रारम्भ की थी। वर्ष 1995 में वह प्राचार्य पद से सेवानिवृत्त हुए। 88 वर्ष की उम्र के राम सिंह हमेशा सामाजिक कार्यों में जुड़े रहे। उनके निधन पर आर्य समाज, देवभूमि व्यापार मण्डल, शिक्षा संस्थानों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया।

# डीडीहाट जिला बनाओ संघर्ष समिति ने झूठी घोषणा पर १३वीं मनाई

डीडीहाट। डीडीहाट जिला बनाओ संघर्ष समिति ने जिले की झूठी घोषणा की तेरहवीं मनाई। समिति ने कहा कि 15 अगस्त 2011 को उत्तराखण्ड सरकार ने चार जिलों की घोषणा की लेकिन 13 साल बीतने के बाद भी कुछ न हो सका।

डीडीहाट जिला बनाओ संघर्ष समिति की ओर से सरकार की के प्रति आक्रोश जताते हुए 13 पौंड का केक काटकर विरोध प्रदर्शन किया। संघर्ष समिति के पदाधिकारी लवी कफलिया ने कहा कि 2011 में तत्कालीन सरकार ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डीडीहाट, रानीखेत, कोटद्वार, यमुनोत्री को जिला बनाने की घोषणा की थी जो आज तक भी झूठी निकली। विरोध प्रदर्शन करने वालों में शेर सिंह शाही, धन सिंह कफलिया, राजू बोरा, शेर सिंह चुफाल, पुष्पा देउपा, प्रकाश सिंह, बहादुर सिंह, दान सिंह कन्याल, बलवन्त सिंह बिष्ट, नरेन्द्र खोलिया थे। उल्लेखनीय है कि राज्य आन्दोलनकारी घनश्याम जोशी, जोध सिंह बोरा जैसा कई लोग शुरु से इस मांग को उठाते रहे।

# चम्पावत पुरानी तहसील शिफ्ट होगी

चम्पावत। ऐतिहासिक राजबुंगा किले में 151 सालों से चल रही तहसील को नए कलेक्ट्रेट भवन में शिफ्ट किये जाने की तैयारी है। राजबुंगा को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जायेगा।

बताते चलें कि राजा सोमचंद की ओर से स्थापित चन्द राजवंश की चम्पावत 863 वर्ष तक राजधानी रही। 13वीं सदी में स्थापित राजबुंगा में 1872 से चम्पावत की तहसील का कार्यालय है। इसके अलावा 2013 में स्थापित एसडीएम, उप कोषागार, भूमि पंजीयन और आबकारी कार्यालय भी इसी परिसर में है। सीएम ने पिछले साल राजबुंगा को पर्यटन की दृष्टि से धरोहर के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। इस कारण तहसील कार्यालय को शिफ्ट करने का निर्णय लिया गया है। बीच में तहसील शिफ्ट करने के विरोध में भी सुर उठे थे लेकिन अन्ततः राजबुंगा को संवारने के सवाल पर सब मान चुके हैं।

तहसीलदार ज्योति धपवाल ने बताया है कि नए तहसील कार्यालय के लिये कलेक्ट्रेट परिसर से 100 मीटर दूर 45 नाली जमीन चयनित कर प्रस्ताव तैयार हो चुका है। इसके निर्माण होने से लोगों को सुविधाएं बढ़ेंगी।

# बेरीनाग में हाउस टैक्स का विरोध

बेरीनाग। नगर पालिका की ओर से हाउस टैक्स लगाये जाने पर शहरवासी विरोध पर उतर आये हैं और उन्होंने अध्यक्ष हेम पन्त को ज्ञापन सौंपते हुए टैक्स हटाने की मांग की।

उल्लेखनीय है कि नगर पंचायत फिर नगर पालिका बने बेरीनाग में आज नहीं तो कल हाउस टैक्स लगना ही है लेकिन बिना सुविधा जिस हड़बड़ में टैक्स लगा उससे व्यापारी व नगरवासी नाराज हो गये और व्यापार मण्डल अध्यक्ष राजेश रावत के नेतृत्व में टैक्स और यूजर चार्ज वापस लेने को प्रदर्शन कर रहे हैं। ज्ञापन देने वालों में कमल खाती, राजू पाठक, जीवन धानिक, कमलेश पन्त, जीवन पन्त आदि थे। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी भगवत पाण्डे का कहना है कि शहरी विकास एक्ट के अनुसार ही भवन कर लिया जा रहा है।

# 'रेरा' पर नाराज किसानों का प्रदर्शन

हल्द्वानी। जिला विकास प्राधिकरण पर रेरा की आड़ में छोटी जोत के किसानों का उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए किसानों ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया। युवा किसान संघर्ष समिति के संयोजन में गौलापार, चोरगलिया, तीनपानी, लामाचौड़, हल्दूचौड़ सहित आसपास के सैकड़ों किसानों ट्रैक्टरों में मण्डी गेट पहुँचकर प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि 2017 से रेरा एक्ट लागू है। तब से आज तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। किसान गलत हैं तो उसमें रजिस्ट्रार की भूमिका, तहसील, उप जिलाधिकारी और नक्शा पास करने वाले की जिम्मेदारी भी होनी चाहिये। आंखिर किसान को उसकी जमीन बेचने के हक से क्यों वंचित किया जा रहा है। इस मसले पर प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल ने किसानों का समर्थन किया है। अध्यक्ष नवीन वर्मा ने कहा कि किसानों के मौलिक अधिकार बने रहने चाहिये। भाजपा के गौलापार मण्डल अध्यक्ष मुकेश बेलवाल के नेतृत्व में रक्षाराज्य मंत्री अजय भट्ट को भी ज्ञापन सौंपा गया है। दूसरी ओर डीडीए सचिव ने कहा है कि कृषि भूमि बेचने पर रोक नहीं है।

# कमिश्नर दरबार में लगातार शिकायतें

हल्द्वानी। कुमाऊँ कमिश्नर दीपक रावत के पास लगातार शिकायतों का अम्बार आ रहा है। दरअसल युवा कमिश्नर रावत ने जिस अंदाज में चारों ओर स्वयं घूमकर मामलों में निगरानी की है उससे लोगों में यह भरोसा हो चुका है कि भ्रष्टाचार के मामले पर वह सीधे मिलकर शिकायत करें। ऐसा होने पर भूमि, भवन, ठगी, अतिक्रमण सहित तमाम मामलों को लेकर फरियादी उनके दरबार पहुँच रहे हैं।

इस बीच इण्टर कालेजों में प्रयोगशाला के लिये जिला योजना से खरीदे गये उपकरणों का मामला भी कमिश्नर तक पहुँचने पर उन्होंने जाँच बैठा दी है। भाबर के भूमि सम्बन्धी मामले भी काफी आ रहे हैं। भूमि क्रय-विक्रय में चल रहे कई विवाद श्री रावत ने सख्ती से निपटाए हैं। उन्होंने कहा है कि भूमि-भवन खरीद में बहुत ही सावधानी रखें।

# आपदा से सौ करोड़ का नुकसान

उत्तराखण्ड प्रदेश को आपदा से अब तक सौ करोड़ का नुकसान हो चुका है। हरिद्वार जिले में बाढ़ व जलभराव से 21 हजार हेक्टेयर गन्ने की फसल खराब हो चुकी है। सड़कों और पुलों को भारी क्षति हुई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली में मिडिया सम्वाद में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि अभी मानसून सक्रिय है। बारिश कम होने के बाद सड़कों को पुरानी स्थिति में लाने के लिये काम शुरु किया जायेगा।

सीएम ने 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव के सवाल पर कहा कि इस बार फिर से उत्तराखण्ड की पाँचों सीटें भाजपा जीतेगी। पीएम मोदी का उत्तराखण्ड से विशेष लगाव है। उनके नाम पर यह पाँचों सीटें मिलेंगी। श्री धामी ने कहा कि सरकार ने 2700 एकड़ सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाया है। यह अभियान अभी पूरा नहीं हुआ है। सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होना चाहिये। किसी वर्ग विशेष पर निशाने की बात गलत है।

## सुगम व सुव्यवस्थित होगा यातायात

हल्द्वानी। जिलाधिकारी वन्दना ने हल्द्वानी काठगोदाम में 14 जंक्शन प्लाइंट्स का निरीक्षण करते हुए यातायात व्यवस्था सुगम व सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिये। बताया कि रानीबाग चौराहे को को भी एनएच के माध्यम से चौड़ीकरण एवं विस्तारीकरण होना है। डीएम ने लोनिवि, एनएच के अधिकारियों को डीपीआर के निर्देशानुसार काम करने को कहा है।

## गुंजी में पोस्टआफिस खोलने की मांग

धारचूला। इस वर्ष गुंजी में अभी तक पोस्टआफिस न खुलने से ग्रामीणों में रोष है। प्रतिवर्ष माइग्रेशन होते ही गुंजी में सात मई को गुंजी डाकघर कार्य करना प्रारम्भ कर देता था। स्थानीय लोगों सहित सरकारी विभागों के कर्मियों, सुरक्षा बलों इसके न खुलने से परेशानी हुई है। बताया जा रहा है कि डाकघर के लिए नई नियुक्ति के बिलम्ब होने से डाकघर नहीं खुल पाया।

## परिक्रमा

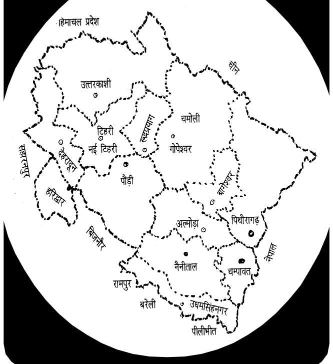


## कांग्रेसी नेता राजेन्द्र बोहरा का निधन

गंगोलीहाट। हनेरा गाँव निवासी कांग्रेसी नेता एडवोकेट राजेन्द्र सिंह बोहरा का हृदयगति रुकने से निधन हो गया। 65 वर्षीय राजेन्द्र सिंह उर्फ राजू दा स्व. केशर सिंह बोहरा का अचानक स्वास्थ्य खराब होने से एम्स ऋषिकेश ले जाया गया था, जहाँ उन्होंने दम तोड़ दिया।

उल्लेखनीय है कि स्व. राजेन्द्र सिंह के पिता ब्लाक प्रमुख केशर सिंह ने क्षेत्र के विकास के लिये संघर्ष करते रहे। बोहरा परिवार हमेशा से इलाके की तरक्की के लिये सक्रिय रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्र अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस, अध्यक्ष जिला दुग्ध संघ, सदस्य जिला परिषद व सहकारी समिति कापरेटिव गंगोलीहाट के अध्यक्ष सहित कई पदों में रहे। इनकी पत्नी हनेरा की प्रधान रही हैं। वह अपने पीछे अखिलेश सिंह, रिंकू बोहरा सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं। पिघलता हिमालय परिवार स्व.राजेन्द्र सिंह बोहरा के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रक्षाबंधन/नन्दादेवी मेला/आठू-सातू की शुभकामनाएं-

# सिंथिया सीनियर सेकेंड्री स्कूल

छोटी मुखानी

हल्द्वानी

**Hotel**
**Bala Paradise**
Tiksain,
Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

**होटल माँ नन्दादेवी**
**एण्ड बारातघर**
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल
एवं जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

**Hayat**
**Paradise**
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

**MARTOLIA**
**FURNITURE**
A unit of Martolia
Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777,
7906752084, 8650427229

**धमोत होम स्टे**
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन
वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

Enjoy Beauty of Himalaya at
**MARTOLIA**
**LODGE**
Family Guest House- Sarmoly,
Munsiyari
A Home Away From Home &
Home Stay
Phone: (05961) 222287


## चम्पावत का गोलज्यू महोत्सव राजकीय मेला घोषित

चम्पावत। जिला मुख्यालय में होने वाले गोलज्यू महोत्सव को राजकीय मेला घोषित किया गया है। सीएम की घोषणा पर संस्कृति निदेशालय ने इसकी मंजूरी प्रदान की। राजकीय मेला होने के बाद से अब विभागीय सूची के अनुसार इसमें कार्यवाही होगी। इसमें दो प्रकार की सहायता मिलेगी पहला तो पंजीकृत दल भेजे जाएंगे। दूसरा आर्थिक सहायकता प्राप्त होगी।

## बैकुंठ धाम को पर्यटन योजना से जोड़ने की मांग

डीडीहाट। सीराकोट की पहाड़ी पर स्थित पर्यटन स्थल बैकुण्ठ धाम को उत्तराखण्ड के पर्यटन योजना के तहत मानचित्र में जोड़ने की मांग की जा रही है। ट्रस्ट के प्रबन्धक डी.एस.पांगती ने बताया कि यहाँ से हिमालय की सबसे बड़ी रेंज दिखती है। इसलिये हर साल अक्टूबर से मार्च तक पर्यटक बैकुण्ठ धाम आते हैं। इस खूबसूरत जगह का संज्ञान पर्यटन विभाग ने लेना चाहिये।

## गंगोलीहाट नगर के हालातों पर चर्चे

गंगोलीहाट। चुनावों की आहट होते ही फिजा बदलने लगती है। गंगोली में भी इन दिनों नगर के हालातों पर चर्चे गरम हैं। आए-गवाए बनी या बना दी गई आडियो-वीडियो सुनी-सुनाई जा रही हैं। जमाना तकनीक है तो यह तय है कि निकाय चुनाव के समय खूब धमाल होगा। शहर के वार्डों का विकास कितना हुआ और कितना धन किस मद पर लगा सबका हिसाब पूछा जायेगा। छुटभैय्यों के लिये सूंघने की बात है कि वह कैसी ठेकेदारी करते रहे हैं। बेबाक बोलने वाले नेता इस बात का ऐलान कर चुके हैं कि वह खुलकर अपनी बात रखेंगे।

इन दिनों सर्वाधिक सक्रिय नेताओं में मुकेश रावल, नारायण सिंह बोहरा, हरीश धानिक 'भीमा', भूपाल आर्या अपने सम्पर्कों में हैं। इसके अलावा पिछले चुनाव में खुलकर समर्थन करने वाले कई स्थानीय नेता इस बार विरोधी की भूमिका में दिखाई देंगे। ऐसे में साफ दिखाई दे रहा है कि निकाय चुनाव का दंगल जबर्दस्त होगा।

## पिथौरागढ़ में भी नेतागण तैयार

पिथौरागढ़। नगर पालिका के चुनाव की तिथि तो तय नहीं है लेकिन मुख्यालय की पालिका परिषद के लिये दिग्गज नेताओं की ओर से गणित लगाए जाने लगे हैं। पहले से ही भाजपा-कांग्रेस के बड़े नेताओं के संरक्षण में यहाँ के स्थानीय निकाय चुनावों का नजारा देखा जाता रहा है। इस बार फिर से जगत सिंह खाती, राजेन्द्र सिंह रावत सहित महेन्द्र लुण्ठी, गोपू महर, ललित पन्त के नामों की चर्चा होने लगी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रक्षाबंधन/नन्दादेवी मेला/आठू-सातू की शुभकामनाएं-

जसवन्त सिंह पांगती
वस्त्र विक्रेता
(एलआईसी एजेंट)
गरुड़

मनोज मेडिकल स्टोर
मनोज कपकोटी
कपकोट

चन्द्र लाल वर्मा
ज्वैलर्स
पहाड़ी आभूषणों के कामगार
दन्या

पांगती आटोमोबाइल्स
गणेश सिंह पांगती, गरुड़ (बागेश्वर)

गिरधर सिंह पांगती
दुर्गापाल गार्डन
पीलीकोठी,
बड़ी मुखानी
हल्द्वानी

डा.वाई.एस. धर्मशक्तू
'विजय धाम'
जोहार नगर
हल्द्वानी

एन.एस. पांगती
'मिलम निवास'
जोहार नगर
हल्द्वानी

माँ उमा
बी.एस.एस.एच.एच.एस.एस.
कपकोट (बागेश्वर)

तारा सिंह कपकोटी
अध्यक्ष व्यापार मण्डल कपकोट
कपकोट (बागेश्वर)

## नन्दादेवी कौतिक १२ सितम्बर से

अल्मोड़ा। ऐतिहासिक नन्दादेवी कौतिक 12 सितम्बर 2023 से शुरु होगा। नन्दा देवी मन्दिर समिति ने बैठक कर इसकी रूपरेखा बना ली है। समिति ने नन्दादेवी मेले को आकर्षक बनाने के लिये कमेटियों का गठन किया।

## बेरीनाग-पस्तोला-नरगोली मोटर मार्ग सुधारीकरण की मांग

बेरीनाग। कमस्यार घाटी विकास संघर्ष समिति के संयोजक मदनमोहन रावत ने सीएम को पत्र भेजकर बेरीनाग-पस्तोला नरगोली मोटर मार्ग के सुधारीकरण एवं वाहन चलाने की स्वीकृति की मांग की है। बताया है कि लोनिवि द्वारा निर्मित इस मार्ग 15 वर्षों से भी अधिक समय से वाहन चलने योग्य नहीं बन पाया है। इस मार्ग में बेरीनाग से किमी 2-3 बैंड खतरनाक हालत में हैं। यदि यह मार्ग का उद्धार हो जाए तो पिथौरागढ़ जनपद के पौसा, पस्तोला, दौलीगाड़ गांवों के साथ ही बागेश्वर जनपद के कमस्यार घाटी के लगभग दो दर्जन गांवों की जनता को लाभ हो सकेगा।

## पूर्व जज धर्मशक्तू मानवाधिकार आयोग के सदस्य मनोनीत

देहरादून। पूर्व न्यायिक अधिकारी गिरधर सिंह धर्मशक्तू को उत्तराखण्ड मानव अधिकार आयोग का सदस्य बनाया गया है। राज्यपाल के निर्देश के बाद नवनियुक्त आयोग सदस्य वर्तमान में पुलिस सेवा प्राधिकरण में बतौर सदस्य कार्यरत हैं। इससे पूर्व वह जिला जज पद से सेवानिवृत्त हुए थे। 30 अप्रैल 1992 में बतौर मुंसिफ बहहराइच उ.प्र. में नियुक्ति के बाद विभिन्न जिलों में न्यायिक सेवा देते रहे हैं।

## सप्ताह के पर्व

भाद्रपद कृष्ण पक्ष

28 अगस्त- प्रदोष
30 अगस्त- पूर्णिमा व्रत
31 अगस्त- पूर्णिमा, रक्षाबन्धन
3 सितम्बर- गणेश चतुर्थी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती
फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते-
जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)